वर्ष 27

अवध ज्योति

अवधी त्रैमासिकी

जनवरी – मार्च 2021

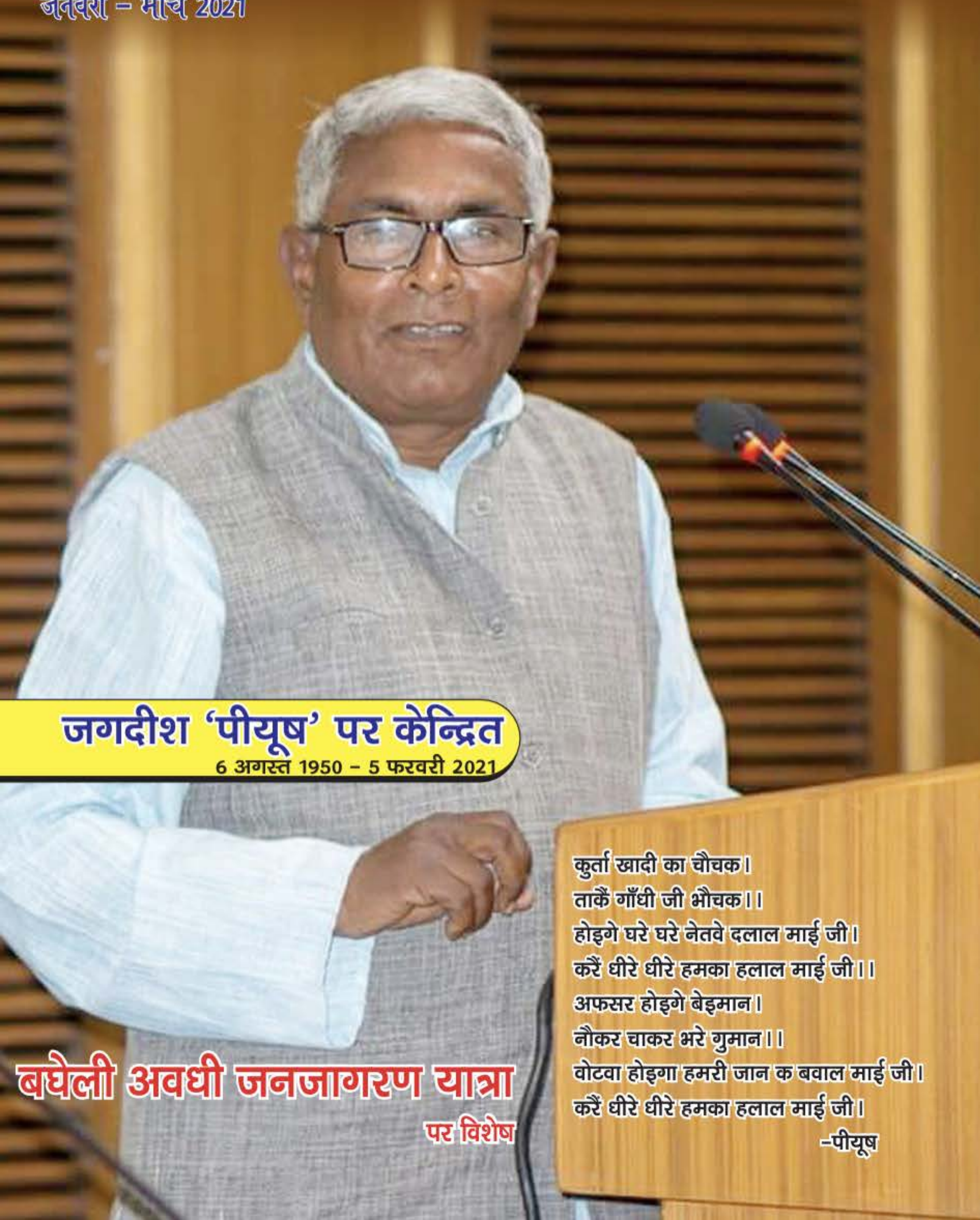

जगदीश 'पीयूष' पर केन्द्रित

6 अगस्त 1950 – 5 फरवरी 2021

बघेली अवधी जनजागरण यात्रा

पर विशेष

कुर्ता खादी का चौचक।
ताकैं गाँधी जी भौचक।।
होइगे घरे घरे नेतवे दलाल माई जी।
करैं धीरे धीरे हमका हलाल माई जी।।
अफसर होइगे बेइमान।
नौकर चाकर भरे गुमान।।
वोटवा होइगा हमरी जान क बवाल माई जी।
करैं धीरे धीरे हमका हलाल माई जी।

–पीयूष

अवध-ज्योति

वर्ष : 27

जनवरी-मार्च 2021

सम्पादक :
डॉ. रामबहादुर मिश्र

उप-संपादकः
रमाकांत तिवारी ‘रामिल’
प्रदीप तिवारी ‘धवल’

सह सम्पादक :
ओम प्रकाश तिवारी

पीयर रिव्यू पैनल
डॉ. हेमराज सुंदर, मारिशस
श्री विक्रममणि त्रिपाठी, नेपाल
प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लखनऊ
डॉ.राकेश पाण्डेय, दिल्ली

अवध भारती संस्थान
नरौली, हैदरगढ़,
बाराबंकी-225124
वेब -
www.awadhawadhi.com
e-mail:
awadhjyoti@gmail.com
Mob. : 9450063632

मुद्रक : सैप प्रिन्टर्स
बी.एच.ई.एल. रोड नं. 1
यूपीएसआईडीसी, जगदीशपुर
अमेठी मो. 9565723540
salmanansari7@gmail.com

विषय क्रम

1. **रामजोहारि** - पीयूष बोलत अही 2

2. जगदीश पीयूष - एक दृष्टि में

3. जगदीश पीयूष - समकालीन अवधी परिदृश्य में एक रचनात्मक आन्दोलन।

4. यादों के झरोखे से पीयूष - रवीन्द्र कालिया, मार्कण्डेय, विभूति नारायण राय, अमरकांत

5. पीयूष संस्मरण - प्रदीप तिवारी ‘धवल’

6. पीयूष की कविताएं - अवधी हिन्दी

7. मेरे बाबू जी - सुधा पाण्डेय

8. कंधों का दर्द - डॉ. राकेश पाण्डेय

9. बातचीत - धनंजय सिंह से रत्नाकर कुमार

10. बघेली अवधी जागरण यात्रा 2021 - डॉ. शिव प्रकाश अग्निहोत्री

11. अवधी जागरण यात्रा दल के सदस्यों का सचित्र संक्षिप्त परिचय।

एक प्रति मूल्य : 50/-, वार्षिक - 200/-
आजीवन सदस्यता : 1. **विशेष सम्मानित :** 5000/-
2. संरक्षक सदस्यता : 11000/-

रामजोहारि

सम्पादकीय : पीयूष बोलत अही

अक्सर सबेरे सबेरे पांच बजे जब मोबाइल कै घंटी बाजै लागै तौ हम जानि जात रहिन कि पीयूष दादा कै फोन होये। हमरे हलो कहतै दुसरी ओर से ‘पीयूष बोलत अही’ सुनाय परै। रामजोहारि के बाद हाल चाल लेंय घर-दुवार, खेती-पाती-गांव जेंवार के साथेन अवधी पर चरचा। पीयूष जी के चले गये के बाद हमैं सब कुछ सून-सून लागत है, जान परत है कुछ हेराय गवा-‘मोरा हीरा हेराय गवा कोलिया मा।’ सच्चे साथी, सुख-दुख मा सदा हाथ बटावै वाले हर समस्या का चुटकी बजाय के समाधान करै वाले, कबौ दुलार तौ कबौ फटकार कै भाषा बोलै वाले, बीच बजार मा ललकारै वाले, अक्खड़ मिजाज, फक्कड़ सुभाव, मुहफट, रात-दिन अवधी भाषा साहित्य बरे तमाम योजना बनावै वाले औ वहिका मूर्त रूप देय वाले पीयूष भैया के न रहे से अकेल परि गयेन। हमार उनकै साथ रहा तौ बीस बरस कै मुला लागत है जनम-जनम के साथी रहें। उनसे हमार जुड़ाव अवधी के नाते भवा। समकालीन अवधी परिदृश्य मा पीयूष जी रचनात्मक आन्दोलन रहे। जब अवधी की त्रयी (पढ़ीस, वंशीधर शुकुल औ रमई काका) कै सक्रियता खतम होय लाग तौ अवधी के सरोकार बदलै लाग। पीयूष भैया खेवनहार बने। 1975 मा अवधी अकादमी कै बिरवा रोपि के 1976 मा पहिल अधिवेशन बड़े वैभव के साथे किहिन। बेजोड़ संगठन क्षमता के चलत भये पीयूष राजनेता, चिंतक, सर्जक, राजपुरुष, उद्योगपति, पत्रकार, सम्पादक, कवि लेखक के रूप मा अवधी का पालिन पोसिन, लिखिन-पढ़िन औ बढ़ावा दिहिन। उइ तमाम अवधी लेखक कवि औ साहित्यकार पैदा किहिन। इहमा कउनौ शक सुबहा नहीं कि अवधी से जुड़े तमाम आन्दोलन, आयोजन औ परोजन के इतिहास पुरुष हैं पीयूष।

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सरस्वती पत्रिका के माध्यम से हिन्दी कै जउन अलख जगाइन, वहै काम पीयूष भैया अपनी अवधी पत्रिका लोकायतन औ बोली बानी के जरिये किहिन। अवधी बरे वह सब काम किहिन जउने के बल पर आज अवधी कै चरचा साहित्य जगत मा जोर-शोर से होइ रही है। कबौ उइ लिखिन रहै - ‘‘हमैं भरोसा बा कि आवै वाले दिनन मा अवधी कै हल्ला मची औ हमार सबकै सुलगाई चिनगी से अवधी समाज धमधा तापी उनकै लिखी ई बात आज हमरे सामने है। उइ अच्छे संगठनकर्ता, सम्पादक औ आयोजक के साथेन बहुत अच्छे कवि रहें, जिहकै यक बानगी पत्रिका मा देखै क मिले। अवधी ग्रंथावली के दस खंड अवधी भाषा - साहित्य औ संस्कृति कै धरोहर होयं जउने का बड़ी मेहनत औ जतन से पीयूष भैया सहेजिन। पत्रिका के ई अंक मा रवीन्द्र कालिया औ दिनेश सिंह के सम्पादन मा निकरी किताब जगदीश पीयूष कलम का सफर से रवीन्द्र कालिया, मार्कण्डेय, विभूति नारायण राय, अखिलेश औ अमरकांत जी के लेख साभार छपि रहे हैं। ई अंक पीयूष जी का समरपित है।

सब पंचन का रामजोहारि।

राम बहादुर मिसिर

जगदीश पीयूष एक दृष्टि में

जन्मतिथि	:	6 अगस्त 1950 ई. (ग्राम-कसारा, अमेठी में)
प्रकाशित पुस्तकें	:	1. सुयोधन (हिन्दी खण्ड काव्य) 2. तथागत (हिन्दी खण्ड काव्य) 3. पानी पर हिमालय (हिन्दी कविताएं) 4. अँधरे के हाथ बटेर (अवधी कविताएं) 5. मेरा भारत महान (गद्य लेख) 6. अवधी गजलें (प्रकाशनाधीन) 7. शहीदों की समाधि पर (प्रकाशनाधीन)
सम्पादन		8. अवधी साहित्य : सर्वेक्षण और समीक्षा 9. रामनरेश त्रिपाठी : एक युग एक व्यक्ति 10. लोक साहित्य के आयाम 11. लोक साहित्य सरस प्रसंग 12. गांधी : गांधी : गांधी 13. राजीव गांधी और पंचायती राज 14. राजीव गांधी और टेक्नोलॉजी (प्रकाशनाधीन) 15. राजी गांधी : नये भारत के भगीरथ 16. सोनिया गांधी : राजनीति की पवित्र गंगा 17. अवधी लोककथाएं 18. अवधी की लोककथाएं (बाल साहित्य) 19. नीराजना 20. सम्भावना 21. मीडिया इन रूरल एरिया 22. आकार 23. लोकायतन (दो भाग) 24. बोली-बानी भाग 1 से 11 तक 26. अवधी ग्रंथावली 10 खंड 27. राजनैतिक व अन्य विषयों पर 27 पुस्तिकाओं का प्रकाशन
हिन्दी सेवा गतिविधि	:	हिन्दी सलाहकार सदस्य (वित्त मंत्रालय भारत सरकार) हिन्दी सलाहकार सदस्य (विधि मंत्रालय, भारत सरकार) हिन्दी सलाहकार सदस्य (पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार) पूर्व हिन्दी सलाहाकर (रेल मंत्रालय, भारत सरकार)

पूर्व कार्यक्रम सलाहकार सदस्य (आकाशवाणी इलाहाबाद, लखनऊ)
वार्ताकार आकाशवाणी, लखनऊ
पूर्व सदस्य जायसी शोध संस्थान व जायसी मेला प्रथम कमेटी
(उ.प्र. हिन्दी संस्थान द्वारा आयोजित कार्यकाल डॉ. शिवमंगल सिहं सुमन)

अन्य : पूर्व सदस्य, तेल चयन आयोग, राजस्थान।

यात्राएं : 1983 में सोवियत संघ (मास्को) में आयोजित विश्व युवा सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मण्डल में शामिल होने का अवसर मिला।
आठवें विश्व हिन्दी सम्मेलन के प्रतिनिधि स्वरूप न्यूयार्क, अमेरिका की यात्रा (2007)
अहिंसा के लिए 1991 में अमेठी से श्री पेरूम्बटूर की पदयात्रा में (तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. श्री पी.वी. नरसिंहराव व तमिलनाडु की मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान व स्व. राजीवगांधी के शहीद स्थल को राष्ट्रीय स्मारक की घोषणा) देश कें अधिकांश राज्यों, ऐतिहासिक, पौराणिक स्थलों की यात्रा।

लोकसाहित्य संबंधी कार्य : - अवधी साहित्य पर अमेठी, जायस, बहराइच, श्रावस्ती, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, इलाहाबाद, लखनऊ आदि स्थानों पर सम्मेलनों, संगोष्ठियों का आयोजन।
- अवधी लोकगीतों का संग्रह व प्रकाशन
- अवधी लोककथाओं का संग्रह व प्रकाशन।
- अवधी के आधुनिक साहित्य का संग्रह व प्रकाशन।
- अवधी के जनपदवार साहित्य का संग्रह व प्रकाशन।
- अवधी पर कार्य के लिए स्व. पं. बनारसीदास चतुर्वेदी, भगवतीचरण वर्मा, पं. सोहनलाल द्विवेदी, वंशीधर शुक्ल, हरदेव बाहरी, कल्याणमल लोढ़ा, त्रिलोचन शास्त्री आदि 43 पुरानी पीढ़ी के साहित्यकारों द्वारा पत्र प्रोत्साहन।
- अवधी के दस हजार लोकगीतों, कथाओं, गाथाओं आदि के संग्रह व प्रकाशन में सक्रिय।

मंचीय कवियों व कविताओं संबंधी कार्य : 1973 में मंचीय कवियों के प्रसिद्ध गीतों, गजलों, कविताओं का संग्रह 'नीराजना' नाम से प्रकाशित कराया, जिसकी भूमिका पूज्य कवि पं. सुमित्रानंदन पंत ने लिखी थी। दूसरी पुस्तक 'संभावना' नाम से प्रकाशित हुई।
- सौ से अधिक कवि सम्मेलनों का आयोजन।

संस्मरण साहित्य पर कार्य - 1974 में प्रकाशित हिन्दी के पुरोधा साहित्यकार पं. रामनरेश त्रिपाठी के संस्मरणों का संग्रह व प्रकाशन।
भारत के महान सपूत भारत रत्न राजीव गांधी के संस्मरणों का 'गांधी : गांधी : गांधी' ग्रंथ में संग्रह व प्रकाशन।

कृतिकार मार्कण्डेय व श्री विनोद शुक्ल(संपादक-दैनिक जागरण, लखनऊ) के संस्मरणों पर प्रकाशनाधीन कार्य।

सम्मान : - हिन्दी सेवा के लिए आठवें विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर न्यूयार्क, अमेरिका में 'विश्व हिन्दी सम्मान' से सम्मानित।

- उ.प्र. हिन्दी संस्थान द्वारा जायसी सम्मान।
- श्री पेरूम्बटूर में तत्कालीन प्रधानमंत्री सरकार व मुख्यमंत्री तमिलनाडु द्वारा (1991) सम्मान, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में गृमंत्री द्वारा सम्मान।
- दिल्ली, सीतापुर, फैजाबाद, जौनपुर, सुलतानपुर, हैदरगढ़, देहरादून, मुंबई आदि में विभिन्न संस्थाओं ने समय - समय पर सम्मानित, पुरस्कृत किया।
- तीन मूर्ति भवन में माननीय श्री अर्जुन सिंह व मुख्यमंत्री माननीया शीला दीक्षित सहित अन्य राजनेताओं द्वारा सम्मान।

व्यक्तित्व कृतित्व पर शोध व अन्य कार्य :

- लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रो. के.डी. सिंह के निर्देशन में लघु शोध कार्य।
- कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. सियाराम वर्मा के निर्देशन में लघु शोध कार्य।
- नये - पुराने नामक कविता पत्रिका में 300 पृष्ठों का विशेष अंक।
- अवध भारती पत्रिका का अवधी साधना पर अंक।
- पुस्तक अवधी त्रिधारा के प्रमुख कवि।
- जगदीश पीयूष के व्यक्तित्व कृतित्व पर 'कलम का सफर' नामक ग्रंथ।

विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में उल्लेख :

- लखनऊ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल अवधी के सन्दर्भ में उल्लेख व संन्दर्भ ग्रंथ के रूप में पुस्तक 'अवधी साहित्य : सर्वेक्षण व समीक्षा' विद्यार्थियों के लिए अनुशंसित।

हिन्दी पत्रकारिता संबंधी उल्लेख :

- भारत (लीडर प्रेस इलाहाबाद से प्रकाशित) आज तथा अन्य दैनिक पत्रों के सम्वाददाता के रूप में कार्य।
- 1984 में अमेठी समाचार नामक पाक्षिक पत्र का सम्पादन।
- गांव में प्रेस विषय पर ऐतिहासिक संगोष्ठी।
- मीडिया इन रूरल एरिया पुस्तक का सम्पादन, प्रकाशन।
- बोली बानी अवधी पत्रिका का प्रकाशन।